राष्ट्रीय शर्करा संस्थान और कोजनरेशन एसो. का राष्ट्रीय सेमिनार

इथेनॉल बिजनेस में देगा फायदा, पेट्रोल सस्ता होगा

तकनीक

कानपुर | कार्यालय संवाददाता

चीनी मिले सिर्फ शर्करा उत्पादन के भरोसे न रहे। वे अधिक से अधिक इथेनॉल का निर्माण करें। इससे न सिर्फ उन्हें अधिक लाभ होगा बल्कि पेट्रोल की कीमतों में भी कमी आएगी। यह बात राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने कही। उन्होंने कहा कि सरकार ने पेट्रोल में दस फीसदी इथेनॉल मिलाने का लक्ष्य रखा है, जिसे इस वर्ष पूरा करना है।

स्वरूप नगर स्थित रॉयल क्लिफ होटल में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान और कोजनरेशन एसोसिएशन की ओर से एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन हुआ। सेमिनार का विषय 'प्रमोशन ऑफ डिस्टलरी फॉर इथेनॉल ब्लेंडिंग एंड कोजनरेशन ऑफ पॉवर' रहा। प्रो. नरेंद्र मोहन ने कहा कि इथेनॉल का उत्पादन बढ़ाने के लिए मिलें सिर्फ मोलासेस पर निर्भर न रहे। वे अन्य स्टॉक का भी इस्तेमाल करें। वर्तमान में 82 फीसदी कच्चे तेल की आपूर्ति विदेश से की जाती है। इसे हम इथेनॉल के जरिए कम कर सकते हैं। सरकार ने गन्ने के जूस से प्राप्त इथेनॉल का दाम 52.43 रुपए निर्धारित किया है।

बलरामपुर चीनी मिल्स के केपी सिंह ने कहा कि वर्ष 2017-18 में पेट्रोल में 10 फीसदी इथेनॉल मिलाने के सापेक्ष में सिर्फ 4.5 फीसदी ही लक्ष्य पूरा किया जा सका। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रति वर्ष 330 करोड़ लीटर का उत्पादन जरूरी है। निस्टा के अध्यक्ष डॉ. राममूर्ति सिंह ने कहा कि चीनी मिले इथेनॉल उत्पादन को भी अपना प्रमुख व्यवसाय बना सकते हैं। अन्य विशेषज्ञों ने न्यूनतम स्टीम एवं ऊर्जा के उपयोग के बारे में जानकारी दी। प्रो. डी स्वेन समेत शर्करा उद्योग से जुड़े उद्यमियों ने हिस्सा लिया।

बुधवार को होटल रॉयल क्लिफ में सेमिनार का दीप जलाकर शुभारंभ करते विशेषज्ञ।

राष्ट्रीय सेमिनार में मौजूद विशेषज्ञ व अन्य अतिथिगण। • हिन्दुस्तान

खत्म किया जाएगा चीनी उद्योग का संकट

जागरण संवाददाता, कानपुर : गन्ने की बंपर पैदावार और चीनी का जरुरत से अधिक उत्पादन से किसान से लेकर उद्यमियों तक सभी परेशान हैं। अब फ्लेक्सिबल फैक्ट्री से एथेनॉल उत्पादन की कसरत तेज हो गई है। इसके लिए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआइ) व कोजनरेशन एसोसिएशन मिलकर शोध करेंगे। यह कहना था एनएसआई के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन का।

वह बुधवार को एनएसआई व कोजनरेशन एसोसिएशन ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में जीटी रोड स्थित एक होटल में आयोजित सेमिनार में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश को 330 करोड़ लीटर एथेनॉल की प्रतिवर्ष जरुरत है लेकिन अभी 150 करोड़ लीटर ही बन रहा है, जबकि चीनी 250 लाख टन चाहिए और उत्पादन 325 लाख टन हो रहा है। बलरामपुर चीनी मिल के व्यापार प्रमुख केपी सिंह ने इंसीनरेशन ब्वॉयलर की स्थापना पर बल दिया।।

कोजनरेशन एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सचिव एससी नाटू ने कहा कि वर्ष 2017-18 में पेट्रोल में 10 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण के सापेक्ष केवल 4.5 प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया गया है, अभी बहुत लंबा रास्ता तय करना है। निस्टा के अध्यक्ष राममूर्ति ने कहा सरकार ने इस मुद्दे को मिशन मोड में शामिल किया है और चीनी मिलों को इथेनॉल उत्पादन बढ़ाने के लिये वित्तीय मदद की घोषणा नीति संबंधी निर्णयों में की है।

स्वरूप नगर स्थित रॉयल क्लिफ में आयोजित बिजनेस मीट में जानकारी देते एससी नाटू व मंचासीन प्रदीप मित्तल, नरेंद्र मोहन अग्रवाल, केपी सिंह और राममूर्ति ● जागरण

पेट्रोल में इथेनाल मिलाने से बचेगी विदेशी मुद्रा : प्रो. मोहन

शर्करा संस्थान में सेमिनार को संबोधित करते प्रो. नरेन्द्र मोहन।

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रो. नरेन्द्र मोहन ने कहा कि पेट्रोल में दस फीसद इथेनाल को मिलाकर असाधारण रूप से अन्तरराष्ट्रीय मुद्रा की बचत की जा सकती है। उन्होंने कहा कि इथेनाल के उत्पादन को बढ़ाने के लिए केवल मोलासेस पर ही निर्भर न रहकर अन्य फीड स्टाक का भी इस्तेमाल करें।

शर्करा संस्थान में परिचर्चा

प्रो. मोहन राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर तथा कोजनरेशन एसोसिएशन आफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में संस्थान सभागार में आयोजित प्रमोशन ऑफ डिस्टिलरीज फार इथेनाल बेन्डिंग एण्ड कोजनरेशन ऑफ पावर विषयक सेमिनार में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि पेट्रोल में दस प्रतिशत इथेनाल मिश्रण का लक्ष्य हासिल करने से विदेशों से तेल आयात पर निर्भरता को कम तथा ऊर्जा सुरक्षा के लक्ष्य को भी हासिल किया जा सकेगा। इससे विदेशी मुद्रा की बचत होगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में 82 प्रतिशत कच्चे तेल के मांग की आपूर्ति विदेशी आयात से की जाती है, जिसके कारण करीब 70 बिलियन अमेरिकी डालर का आयात खर्च आता है। प्रो. मोहन ने कहा कि पर्यावरण सम्बंधी मुद्दों पर पहली बार सरकार ने इथेनाल के उत्पादन को बढ़ाने के लिए प्रतिस्पर्धी मूल्य नीति के तहत इथेनाल की कीमत पारंपरिक स्त्रोतों (शीरे से) से उत्पादन पर 43.46 रुपये प्रति लीटर रखा है। तेल व्यापार कंपनियां बी हैवी मोलासेस एवं गन्ने के जूस से प्राप्त इथेनाल का क्रमशः 52.43 से लेकर 59.19 रुपये प्रतिलीटर की दर से क्रय कर सकेंगी।

इंटीग्रेटेड पॉवर यूनिट का प्रदर्शन करते हुए वैज्ञानिकों की उपलब्धि पर चर्चा भी हुई। इंफ्लुयेंट को ब्वायलर के लिए ईंधन के रूप में इस्तेमाल कर स्टीम एवं ऊर्जा उत्पादन पर केंद्रित प्रदर्शन में किस तरह इथेनाल इकाइयां प्रतिदिन 150 किलो लीटर इथेनाल का उत्पादन कर 2.5 से 3 मेगावॉट विद्युत का अतिरिक्त उत्पादन प्राप्त कर रही हैं। निस्टा के अध्यक्ष डा. राममूर्ति सिंह ने कहा कि इथेनाल उत्पादन के लिए पारंपरिक स्त्रोतों पर निर्भरता से तय लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता है। एस्केल इंडस्ट्रीज पूर्ण के विशेषों ने न्यूनतम स्टीम एवं ऊर्जा के उपयोग द्वारा गन्ने के जूस से इथेनाल उत्पादन की प्रक्रिया में प्रति लीटर न्यूनतम इन्फ्युलेंट उत्पादन को सीमित करने की विस्तार से जानकारी दी। मे. सिटसन पूणे, इसजैक नोयेडा तथा फाइव सेल केसीपी लि. चेन्नई द्वारा इंसीग्रेटेड पावर यूनिट का प्रदर्शन किया गया। यह प्रदर्शन मुख्यतया आसवनियों से निकलने वाले इफ्लुयेंट को ब्वायलर के लिए ईधन के रूप में इस्तेमाल कर स्टीम एवं ऊर्जा उत्पादन पर केंद्रित था। उन्होंने इस प्रकार के कार्यरत माडल का प्रदर्शित किया जिसमें इथेनाल इकाइयां प्रतिदिन 150 किलो ली. इथेनाल का उत्पादन पर 2.5 से 3.0 मेगावाट विद्युत का अतिरिक्त उत्पादन पर अतिरिक्त राजस्व प्राप्त कर रही हैं।

एथेनॉल बढ़ेगा, कम होगा तेल आयात

केंद्र सरकार पेट्रोल में 10 फीसदी तक एथेनाल मिलाने को लेकर आगे बढ़ रही है. अगर ऐसा होता है तो तेल आयात में कमी के साथ की काफी अंतराष्ट्रीय मुद्रा भी बचेगी. बुधवार को एनएसआई व कोजेनरेशन एसोसिएशन ऑफ इंडिया की तरफ से नेशनल सेमिनार आयोजित किया गया. एनएसआई के डॉयरेक्टर प्रो. नरेंद्र मोहन ने इस दौरान स्वच्छ हरित ऊर्जा में एथेनाल के उत्पादन पर जोर दिया. बलरामपुर चीनी मिल्स के सलाहकार केपी सिंह, को जेनरेशन एसोसिएशन के सदस्य सचिव सुनील नाटू आदि मौजूद रहे.